



जैन संगीतियाँ

संगीति	समय	स्थान	अध्यक्ष	प्रमुख शासक/संरक्षक	प्रमुख कार्य
प्रथम जैन संगीति	लगभग 300 ई.पू.	पाटलिपुत्र	स्थूलभद्र	चन्द्रगुप्त मौर्य के काल से संबंधित	महावीर की शिक्षाओं को संकलित करने का प्रयास; 12 अंगों का संकलन
द्वितीय जैन संगीति	लगभग 512 ई.	वल्लभी, गुजरात	देवर्धिगणि क्षमाश्रमण	मैत्रक शासकों का संरक्षण	जैन आगमों को अंतिम रूप से संकलित एवं लिखित रूप दिया गया

बौद्ध संगीतियाँ

संगीति	समय	स्थान	अध्यक्ष	शासक/संरक्षक	प्रमुख कार्य
प्रथम बौद्ध संगीति	लगभग 483 ई.पू.	राजगृह की सप्तपर्णी गुफा	महाकश्यप	अजातशत्रु	आनंद ने सुत्त पिटक और उपालि ने विनय पिटक का पाठ किया
द्वितीय बौद्ध संगीति	लगभग 383 ई.पू.	वैशाली	साबकामी/सर्वकामी	कालाशोक	विनय संबंधी दस विवादित नियमों पर चर्चा; बौद्ध संघ में विभाजन की प्रक्रिया
तृतीय बौद्ध संगीति	लगभग 250 ई.पू.	पाटलिपुत्र	मोग्गलिपुत्त तिस्स	सम्राट अशोक	संघ से अप्रामाणिक भिक्षुओं को हटाया गया; कथावत्थु की रचना; विदेशों में धर्मप्रचार
चतुर्थ बौद्ध संगीति	प्रथम शताब्दी ई.	कुण्डलवन, कश्मीर	वसुमित्र; उपाध्यक्ष अश्वघोष	कनिष्क	त्रिपिटक पर टीकाएँ तैयार; महाविभाषा का संकलन; महायान के विकास को प्रोत्साहन